>

Title : Problems being faced by the S.S.A. (Sarva Shiksha Abhiyan) teachers recruited in Andaman & Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय : सभापति महोदय, अंडमान-निकोबार की राजधानी पोर्टब्लेयर के करीब डेढ़ सौ शिक्षक, जो सर्वशिक्षा अभियान के तहत कांट्रेक्ट बेसिस पर काम कर रहे हैं, वे 23 जुलाई से लगातार धरने पर बैठे हैं। आज वे हंगर स्ट्राइक में हैं। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, वे अनशन पर ही रहेंगे। वे लोग कौन हैं? वे अंडमान-निकोबार के क्वालीफाईड टीचर्स हैं, जिन्होंने बीएससी, बीएड, एमएससी एमएड, एमए बीएड किया हुआ है। उन्हें सर्वशिक्षा अभियान के तहत सन् 2003 में नौकरी मिली थी। वहां पर लगातार छः वÂ◌ा◌ॅ से काम करते-करते उनकी जॉब की ऐज बार खत्म हो चुकी है। उन्हें छः साल से 14 साल तक के बच्चों को पढ़ाने के लिए रखा गया था यानी पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को पढ़ाने के लिए लिया गया था। लेकिन वे टीचर्स नौंवी से बारहवीं तक की क्लासेज भी लेते हैं। नौंवी से बारहवीं क्लासेज के टीचर्स की रिटायरमैंट या डेथ की वजह से वहां पोस्ट वैकेंट पड़ी हुई है मैं मांग करता हूं कि जब अंडमान-निकोबार एडमिनिस्ट्रेशन में टीचर्स की भर्ती का मौका आयेगा, तो जो टीचर्स वहां पहले से काम कर रहे हैं, उन्हें प्रिफरैंस दी जाये और रेगुलर किया जाये। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत जो भी टीचर्स चेन्नई आदि राज्यों में काम कर रहे हैं, उन सबको भी रेगुलराइज करने के निर्देश दिये जायें।